>12.08 hrs.

Title: Regarding situation relating to Iraq.

प्रधान मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) : अध्यक्ष महोदय, पिछले कुछ सप्ताहों से इराक से संबंधित हालात तेजी से बदल रहे हैं। भारत हमेशा से इराक मुद्दे का शांतिपूर्ण हल ढूंढने के पक्ष में रहा है। खाड़ी में शांति और खुशहाली से भारत का महत्वपूर्ण हित जुड़ा हुआ है क्योंकि इस क्षेत्र के देशों के साथ लम्बे अरसे से हमारे राजनीतिक, सांस्कृतिक तथा आर्थिक संबंध चले आ रहे हैं। खाड़ी देशों में 35 लाख से अधिक भारतीय लोग काम कर रहे हैं जिनकी खैरियत तथा सुरक्षा हमारे लिए बहुत ही चिंता का विाय है। उनके द्वारा भेजा जाने वाला धन हमारे देश के लिए विदेशी मुद्रा एकत्र करने का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। भारत के 60 प्रतिशत से अधिक कच्चे तेल का आयात इस क्षेत्र से किया जाता है। खाड़ी के देश हमारे निर्यात के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण क्षेत्रों के रूप में उभरे हैं।

भारत, संयुक्त राट्र सुरक्षा परिद द्वारा अपने संकल्प 1441 में सर्वसम्मति से लिए गए उस निर्णय की वैधता को मानता है जिसमें इराक को हथियारों से मुक्त कराने तथा इराक, कुवैत और पड़ोसी देशों की सम्प्रभुता तथा क्षेत्रीय अखण्डता की पुटि करने का प्रावधान किया गया है। संकल्प 1441 में ऐसे निरीक्षणों की कड़ी व्यवस्था की गई है जिनसे अन्तर्राट्रीय समुदाय की इस मांग को पूरा किया जा सके कि इराक से व्यापक विनाश के हथियारों को समाप्त किया जाए। हमारा मानना है कि इराक को निरीक्षण प्रक्रिया में सक्रिय रूप से सहयोग देना चाहिए तथा सुरक्षा परिद के सभी संगत प्रस्तावों का पूरी तरह से पालन करना चाहिए। यदि इस सहयोग में तेजी आई होती, तो युनाइटेड नेशंस मानेटरिंग, वेरीफिकेशन एंड इंस्पेक्शन कमीशन (UNMOVIC) तथा इंटरनेशनल आटोमिक एनर्जी एजेंसी (IAEA) संयुक्त राट्र सुरक्षा परिद को इस बात का प्रमाण दे सकते थे कि इराक ने संकल्प 1441 का पूर्ण रूप से पालन किया है।

इराक में हथियार निरीक्षक अपना कार्य कर रहे हैं। आगे क्या कार्रवाई की जाये इसके बारे में सुरक्षा परिद को ही निर्णय लेना चाहिए। इराक द्वारा संयुक्त राट्र संघ के प्रस्तावों पर पूरी तरह अमल करने के उद्देश्य और इस लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु अपनाये जाने वाले उपायों - दोनों पर अंतर्राट्रीय समुदाय को बहुत ही सावधानीपूर्वक विचार करना होगा। इस उद्देश्य को संयुक्त राट्र संघ के माध्यम से एक सामूहिक निर्णय द्वारा बेहतर ढंग से प्राप्त किया जा सकता है। यदि और अधिक समय देने से तथा स्पट

मानदंड तैयार करने से, संयुक्त राट्र संघ के दायरे में किसी निर्णय पर पहुंचने में मदद मिल सकती है, तो हम समझते हैं कि इस विकल्प के लिए भी एक मौका दिया जाना चाहिए। हम आशा करते हैं कि सुरक्षा परिद के सदस्य यह सुनिश्चित करने के लिए आपस में सामंजस्य स्थापित करेंगे कि इसके अंतिम निर्णय से संयुक्त राट्र संघ की वैधता तथा विश्वसनीयता में वृद्धि हो। यदि Unilateralism हावी होता है, तो संयुक्त राट्र संघ को गहरी चोट पहुंचेगी जिससे विश्व-व्यवस्था के लिए घातक परिणाम होंगे। इसलिए, भारत सरकार जोर देकर यह आग्रह करती है कि ऐसी कोई सैन्य कार्रवाई न की जाए जिसे अंतर्राट्रीय समुदाय की सामूहिक सहमति प्राप्त न हो।

भारत ने इराक में कठिन मानवीय स्थिति के बारे में विभिन्न अवसरों पर अपनी चिंता जताई है। इराक की जनता एक दशक से भी अधिक समय से घोर अभावों और कठिनाइयों में जीवन बिता रही है। हम हमेशा यही कहते आए हैं कि यदि इराक सुरक्षा परिद के सम्बद्ध संकल्पों के प्रावधानों का पूरी तरह से पालन करता है तो उसके खिलाफ लगाये गए प्रतिबंधों को हटा लिया जाना चाहिए।

हालांकि हम संपूर्ण मानवजाति के हित में यही आशा करते हैं कि इस मामले को संयुक्त राट्र संघ के माध्यम से शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाया जा सकता है, फिर भी, मेरी सरकार ने किसी भी विपरीत स्थिति से निपटने के लिए आकस्मिक योजनाएं तैयार की हैं। इस समय इराक में 50 से कम भारतीय नागरिक हैं तथा उन सभी लोगों को सलाह दी गई है कि वे आने वाले दिनों में इराक छोड़ दें। इस बात की कम संभा वना है कि युद्ध की आशंका से पड़ोसी देशों में रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों को बड़े पैमाने पर स्थानांतरित होना पड़ेगा, फिर भी, यदि आवश्यक हुआ तो नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने भारतीय लोगों को वहां से लाने के लिए योजनाएं तैयार की हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कच्चे तेल का भंडारण करने के लिए कदम उठाये हैं। हालांकि कच्चे तेल के आयात में कोई बड़ी बाधा आने की आशंका नहीं है, फिर भी, यदि थोड़े समय के लिए कीमतें बढ़ती हैं तो भारत के पास कच्चे तेल के आयात पर आने वाली अधिक लागत को पूरा करने के लिए विदेशी मुद्रा का पर्याप्त भंडार मौजूद है।

***Also placed in the Library, See No. LT 7229/2003.**

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : सर, मेरा कार्य-स्थगन प्रस्ताव है।â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, you are aware that the hon. Prime Minister has made a statement on a very important issue. In normal course, in our House, clarifactory questions are not asked on such statements. But as a special case, in this particular case, I am prepared to allow a very few leaders to put their questions considering the importance of the matter. I hope the House will agree and if the hon. Prime Minister agrees, then I will ask the hon. Members to ask questions.

Hon. Prime Minister, after your statement, a few hon. Members have desired that they would like to put questions and they would always be careful that the House has a unanimous view as far as possible on this issue. If you are prepared to reply, then I may allow them to put their questions.

प्रधान मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) : अध्यक्ष जी, मैं प्रश्नों का उत्तर देने के लिए तैयार हूं। एक कठिनाई है कि मुझे राज्य सभा में भी इसी समय वक्तव्य देना है।

श्री शिवराज वि.पाटील (लातूर) : श्रीमन्, हम आपको धन्यवाद करते हैं। माननीय प्रधान मंत्री जी के वक्तव्य के बाद कुछ प्रश्न हमारे मस्तिष क में आते हैं, जो प्रधान मंत्री जी के सामने हम रखेंगे और उनका उत्तर उनसे हमें मिलेगा, ऐसी हम अपेक्षा रखेंगे। पहली बात तो यह है कि देश की सरकारों को बदलने की बात बाहर से की जा रही है। यह लोकतंत्र के विचारों से सहमत करने वाली बात नहीं है।

इस संबंध में हमारे देश की और हमारी सरकार की क्या नीति होगी, उसको भी स्पट करना उपयुक्त होगा। इसके पहले NAM में कुछ ठहराव पास हुए हैं और उसमें कुछ बातें कही गई हैं। उनकी ओर भी हमारी सरकार और हमारे देश का क्या रुझान है और क्या हम पूरी तरह से उन पर अमल करेंगे या हमारी बात कुछ हट कर हो सकती है, यह भी सोचना जरूरी हो जाता है। इसके साथ-साथ संयुक्त राट्र की सुरक्षा परिद् में भी कुछ ठहराव आ रहे हैं, उन पर किस प्रकार हम अपने देश के विचार प्रकट करेंगे, इसके बारे में थोड़े संकेत तो प्रधान मंत्री जी से वक्तव्य में मिले हैं, लेकिन उन पर ज्यादा सविस्तार से बातें सामने आना जरूरी है। यह जरूरी है कि कोई चीज करने के लिए हम कितना महत्व देंगे और अगर संयुक्त राट्र की सुरक्षा परिद् ने ठहराव पास किया कि हम शक्ति का उपयोग करने के विरुद्ध हैं, तो हमारे देश की उस समय क्या नीति होगी, इस बारे में भी थोड़ा स्पट होना जरूरी है। हम यह जानते हैं कि हमारी सरकार जिम्मेदारी से काम करने से अपने देश की रक्षा कर सकती है और उसके साथ-साथ हमारे देश के जो तत्व हैं, उन तत्वों को भी हम सामने रख सकते हैं। सही समय पर, सही तरीके से और सही काम के लिए जब हम अपने विचार प्रकट करते हैं, तो उसका अच्छा असर हम पर भी होता है और संसार पर भी होता है। â€¦(व्यवधान) हमारे देश में हमने देखा है कि हम अपने जो इन्टरैस्ट हैं, उनको प्रोटैक्ट करने में जब काम करते हैं, तो उसके साथ-साथ हमारे जो प्रिसिपल्स हैं, उनको भी हम उठाए रखते हैं। इस संबंध में सरकार का क्या धोरण रहेगा?â€¦(व्यवधान)

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : जवाब में सब कुछ आ गया है। â€¦(व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): Let there be a proper discussion. After his Rajya Sabha business, let the hon. Prime Minister come back here and let us start a discussion on this, if the hon. Members are so impatient. We do not mind this. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please keep silence in the House. Let a few questions be asked.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : We wanted that on this matter the country should speak in a united voice. That is why we said that this is a matter on which there should be no ambivalence or uncertainty in the stand of the country, which is the leader in the NAM. I am again requesting the hon. Prime Minister to state whether he agrees to have a Resolution passed in this House categorically stating our position very clearly to the entire international community that we shall never support any war as is being threatened by USA or UK and some other countries like Spain. We shall never be supportive of the threat of war or the actual war.

The hon. Prime Minister said, 'no military action without collective decision'. I do not know whether the Government of India today will approve of military action if the United Nations passes a Resolution by majority. This is a very vital question. The hon. Prime Minister has said that Iraq should fully comply with UN Resolution 1441. ...(*Interruptions*)

Can Shri Atal Bihar Vajpayee not look after himself? Does he want your help?

MR. SPEAKER: Shri Somnath Chatterjee, you can continue.

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा : हाउस को डिवाइड मत करिए। सदन युनैनिमस है।

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Therefore, I want the hon. Prime Minister of India to categorically state that we shall never support any war and we condemn all threats of war that have been held up.

Thirdly, a reference has been made by the hon. Prime Minister regarding the Inspector's Report. As far as we have been able to understand, the last report of Mr. Blix says that there is no cause of alarm at the moment. He is satisfied after all sorts of investigation that there is a sincere attempt by Iraq to fully comply with Resolution 1441. Then, what is the necessity of all these military threats and all that? What is the reaction of the Government of India when this superpower says that they do not want anybody's permission to go to war? They do not comply with it and they do not care or wait for the United Nations or Security Council decision. Therefore, should we not make our position clear that we object to such unilateral action on the part of a super power?.....(*Interruptions*)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (CALCUTTA NORTH WEST): Sir, we unanimously endorse the statement made by the Prime Minister.....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The Member has raised a clarification.

...(*Interruptions*)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Therefore, we should express our opposition to this unilateral threat over the head of the Security Council that is being given and the arrogance that is being shown that they do not need anybody's permission to go to war. Not a single comment has been made by the hon. Prime Minister on this point. We want a categorical assurance by the Prime Minister of India that if in the event a war starts, India will not afford any facilities so far as military operations are concernedâ€¦...(*Interruptions*)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : Sir, Prime Minister's statement is very categorical and clear. He is

unnecessarily creating problems in the House.....(*Interruptions*)

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, प्रधान मंत्री जी ने जिस बात को हिन्दी में कहा है, उसे यहां इन्होंने अंग्रेजी में कहा है। फर्क कुछ नहीं है।

अध्यक्ष महोदयः यही फर्क है।

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, I cannot match with his Hindi. I cannot go anywhere near him on that point. And I can speak in perfect English.....(*Interruptions*)

SHRI PRAKASH MANI TRIPATHI (DEORIA): Sir, I am on a point of order.

MR. SPEAKER: What is your point of order?

श्री प्रकाश मणि त्रिपाठी : अध्यक्ष महोदय, आपने एक खास प्रॉवीजन को हटाते हुए सवाल उठाने का मौका दिया। मेरा पहला प्वाइंट ऑफ ऑर्डर यह है कि आशा है, यह परम्परा नहीं बन जाएगी और लोक सभा राज्य सभा में परिवर्तित नहीं हो जाएगी। नियम 372 के अन्तर्गत मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है कि इसमें लिखा है कि मिनिस्टर की स्टेटमैंट के बाद कोई सवाल नहीं पूछे जाएंगे। यदि आपने एलाऊ किया है तो केवल क्लैरिफिकेशन्स होने चाहिए लेकिन यहां उसे चर्चा में बदल दिया गया। इसी डर से लोक सभा में मिनिस्टर की स्टेटमैंट के बाद स वाल नहीं पूछे जाते हैं। यहां भााण हो रहे हैं और कहा जा रहा है कि हम यह-यह चाहते हैं, जबकि इसका कोई प्रावधान नहीं है। â€¦(व्यवधान) माननीय सदस्य केवल सवाल पूछ सकते हैं। इसी को देखते हुए आपने माननीय सदस्यों को एलाऊ किया। इस पर चर्चा कैसे शुरु की जा सकती है। â€¦(व्यवधान) ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। â€¦(व्यवधान) माननीय सदस्यों ने इसका गलत इस्तेमाल करना शुरु कर दिया है।

SHRIMATI MARGARET ALVA (CANARA): Sir, is he challenging the Chair's decision? It is the Speaker's decision. How can he raise a point of order?.....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: He is not challenging the ruling of the Chair. He has brought the right rule to the notice of the Speaker. Therefore, I have said that I will allow only two or three Members to put questions and not to give speeches. Shri Tripathy, I agree with your point of order.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदयः श्री रामजीलाल सुमन, आप केवल प्रश्न पूछ सकते हैं। भााण नहीं कर सकते।

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आठवले जी, आप प्रधानमंत्री जी के उत्तर के बाद प्रश्न पूछियेगा।

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, इराक का अति महत्वपूर्ण सवाल है। अभी माननीय प्रधान मत्री जी ने अपना वक्तव्य दिया है। श्री शिवराज पाटील और श्री सोम नाथ चटर्जी ने अपनी बात रखी। इस सवाल पर हाउस में मतैक्य होना चाहिये, विभाजन नहीं होना चाहिये। यह गम्भीर मामला हैâ€¦(व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): What is happening in this House? I do not understand. Even on such a serious matter, Members from the ruling party are not serious.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, सब से ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि हथियार निरीक्षकों की रिपोर्ट आने के बाद अमरीका पर कोई भी मनोवैज्ञानिक असर नहीं है। अफगानिस्तान के सवाल पर हमने बगैर किसी समर्थन के अमरीका की मदद की जिससे विश्व जनमत अमरीका के पक्ष में बना। हमारा धर्म और फर्ज बनता है कि हम न केवल इस मामले में तटस्थ रहें बल्कि अगुवाई करें। अमरीका ने बार-बार यह कहा है कि संयुक्त राट्र संघ चाहे जो फैसला करे, वह हमला करेगा। अमरीका के विदेश मंत्री श्री पॉवेल के बयान आ रहे हैं । मैं आपके माध्यम से विनम्र आग्रह करना चाहता हूं कि हम कोई राजनैतिक बात न करें लेकिन यह जरूर कहना चाहूंगा कि अमरीका का हमला करने का जो उद्देश्य है, उससे लगता है कि वह इराक के तेल भंडार पर कब्जा करना चाहता है, इसके अलावा उसकी कोई नीति नहीं है। यह गम्भीर सवाल है, इसलिये हम आपका संरक्षण चाहते हैं। हम चाहते हैं कि हाउस इस मामले पर न बंटे और भारत सार्थक भूमिका का निर्वहन करे, भारत तटस्थ न रहे।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, सारा सदन इस बात से सहमत होगा कि आज विश्व किस परिस्थिति में से निकल रहा है, युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं। हम युद्ध के खिलाफ हैं। युद्ध नहीं होना चाहिये। शान्तिपूर्ण तरीके से समझौता वार्ता द्वारा यह प्रश्न हल किया जाना चाहिये। इसलिये मैंने कहा कि अगर और समय की आवश्यकता हो तो और समय दिया जाये। अगर इंस्पैक्टर्स की संख्या बढ़ाना जरूरी है तो वह बढ़ायी जाए। अभी तक जो परिणाम सामने आये हैं, वे इतने निराशाजनक नहीं हैं। कुछ जानकारी मिली है, कुछ जानकारी मिलनी बाकी है। जो जानकारी मिलनी बाकी हैं, उसे प्राप्त करने का प्रयत्न होना चाहिये। इसलिये युद्ध होगा या नहीं होगा, यह कहना बहुत मुश्किल है। मैं आशा करता हूं कि युद्ध नहीं होगा। इसलिये इस सवाल का जवाब देने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिये कि अगर युद्ध हुआ तो..

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Your ambivalence will create problems.

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : This is the problem with your Government.

SHRI SHIVRAJ V. PATIL : The Government should anticipate situations and be ready for that.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, यह कूटनीति की प्राब्लम है। आप इधर बैठे हुये यही करते रहे हैं।

SHRI S. JAIPAL REDDY (MIRYALGUDA): Why do you not adopt the same approach as that of Russia, Germany and France? They are not quibbling. They are not prevaricating. Why are you prevaricating?

MR. SPEAKER: Let him complete the reply.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय,â€¦(व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य : आप तो निन्दा नहीं करते हैं।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, इसलिये मैं कहता हूं कि मुझे विश्वास है कि एक तरफा कार्यवाही नहीं होगी। जब मैं यह कहता हूं कि जब कुछ कार्यवाही होगी तो निन्दा करेंगे।

श्री बसुदेव आचार्य : आप पहले कीजिये।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : शिवराज पाटील साहब ने एक और सवाल उठाया है, वह महत्वपूर्ण सवाल है कि सरकारें किस तरह से बदली जायेंगी, तो हम सब जानते हैं कि सरकारें जनता की राय से बदली जानी चाहिए और जनता की राय से ही कायम होनी चाहिए।â€¦(व्यवधान)

कुंवर अखिलेश सिंह : अमरीका की राय से हो रहा है।â€¦(व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : कोई बाहर की शक्ति बल प्रयोग करके किसी देश की सत्ता बदल दे और अपनी मर्जी से वहां सत्ता स्थापित कर ले तो वह गलत है, उसका समर्थन नहीं किया जायेगा।â€¦(व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य : वह वही करना चाहते हैं, आप इसकी निंदा कीजिए।â€¦(व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, मैं नहीं समझता कि इस सवाल के ऊपर इस सदन में कोई मतभेद है।

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : It only requires some questions from us for you to come out with an answer!...(*Interruptions*)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मैंने उसका उत्तर दिया आज क्या परिस्थिति होगी, मैं नहीं कह सकता और मैं फिर दोहराता हूं कि एकतरफा कार्रवाई नहीं होगी, यह मेरा विश्वास हैâ€¦(व्यवधान) क्योंकि एकतरफा कार्रवाई का मतलब यूनाइटेड नेशंस को ताक पर रख देना और विश्व को संकट में डालना है।

MR. SPEAKER: The reply is over. I have received a number of Adjournment Motions. I have refused permission to all of them.

...(*Interruptions*)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, sometimes, on a very urgent issue, it has helped....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Ramdas Athawale's issue about the atrocities on *dalits* will be discussed in the House today. Therefore, we are now going to the Calling Attention.

I have received a notice of Calling Attention from Shri Kirit Somaiya. Shri Kirit Somaiya to call the attention of the hon. Minister now.

...(*Interruptions*)

KUMARI MAMATA BANERJEE (CALCUTTA SOUTH): Sir, we want to raise the issue of atrocities on women. ...(*Interruptions*) We want to raise the Dhantala issue. Everyday, we are trying to raise it. ...(*Interruptions*) We are trying to raise it for a long time. ...(*Interruptions*) It is a very important issue. We are waiting for one month to raise it.â€¦ (*Interruptions*)

श्री शिवराज सिंह चौहान (विदिशा) : अध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश के बारे में कॉलिंग अटेंशन पर चर्चा हैं।â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will allow you during the 'Zero Hour.' There is a Calling Attention which has already been taken up. Please sit down. I will call you during the 'Zero Hour.'

...(*Interruptions*)